

## ऑप्टिकल फाइबर स्वास्थ्य और सुरक्षा

- सुरक्षा नीतियां और दिशानिर्देश

- व्यक्तिगत सुरक्षा

फर्स्टएड और फायर इमरजेंसी

**प्रश्न :- सही विकल्प**

1. फाइबर के टूटे टुकड़ों को लेने के लिए हमें इसका उपयोग करना चाहिए:

(a) चिमटी (Tweezer) (b) हाथ(Hand) (c) दो तरफा टेप(Double Sided Tape) (d) इनमें से कोई भी नहीं ✓

2. किसी working fiber ऑप्टिक गतिविधि के दौरान मैनहोल में काम करते समय:

(a) हम धूम्रपान कर सकते हैं (b) हम खा सकते हैं (c) हमें ज्वलनशील मटेरियल को नहीं ले जाना चाहिए ✓ (d) इनमें से कोई भी नहीं

3.. फाइबर ऑप्टिक के साथ काम करते समय हमें उपयोग करना चाहिए:

(a) रूई के दस्ताने (b) चमड़ा के दस्ताने (c) चमड़े के दस्ताने और सुरक्षात्मक चश्मा ✓ (d) उपरोक्त के सभी

**1.Que. - ऑप्टिकल फाइबर हैंडलिंग में कौन-कौन सी सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए ?**

उत्तर - ऑप्टिकल फाइबर हैंडलिंग में निम्न सावधानियों का पालन करना चाहिए :-

- खुले हाथों से फाइबर के सिरों को कभी न तोड़ें क्योंकि फाइबर के सिरे नुकीले होते हैं और त्वचा को आसानी से छेद सकते हैं।
- फर्श पर फाइबर के बिट्स न छोड़ें क्योंकि वे फुटवियर से चिपक सकते हैं।
- हमेशा उचित तरीके से फाइबर कचरे का निपटारा करें।

**2.Que - Splicing के दौरान बनाए गए ऑप्टिकल फाइबर का टूटा हुआ सिरा क्यों खतरनाक होता है ?**

उत्तर - स्पलनाइसिंग के दौरान बनाए गए ऑप्टिकल फाइबर का टूटा हुआ सिरा निम्न कारणों से खतरनाक हो सकता है:

- ये फाइबर सिरे नुकीले होते हैं और त्वचा को आसानी से छेद सकते हैं।
- ऑप्टिकल फाइबर निकालने के लिए चिमटी और आवर्धक कांच की एक जोड़ी का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
- किसी व्यक्ति को इस तरह के फाइबर को संभालते समय दस्ताने का उपयोग करना चाहिए |

**3.Que - ऑप्टिकल फाइबर Splicing में आग से बचने के लिए कौन-कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए ?**

उत्तर - ऑप्टिकल फाइबर में आग से बचने के लिए निम्नलिखित सावधानियां रखनी चाहिए :-

- ऑप्टिकल फाइबर के अंत को ध्यान रखते हुए पर्याप्त दूरी बनाए रखना चाहिए |
- मैनहोल( नाले का मुंह जिसमें से आदमी उतर सके) जैसी जगहों पर **Splicing** लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि वहाँ गैस जमा रहती है |
- स्पलनाइसिंग क्षेत्र से दहनशील सामग्री को दूर रखना चाहिए |
- कार्य क्षेत्र के आसपास धूम्रपान करने की अनुमति न दें, क्योंकि इससे विस्फोट का खतरा हो सकता है |

**4.Que - सुरक्षा और चेतावनी संकेत से आप क्या समझते हैं ? चित्र सहित वर्णन कीजिये |**

उत्तर - ऑप्टिकल फाइबर स्पलाइसर को कार्य स्थल पर आवश्यक विभिन्न प्रकार के सुरक्षा संकेतों को समझना और उनका उपयोग करना चाहिए। कार्य स्थल पर निम्नलिखित सुरक्षा और चेतावनी के संकेत मिल सकते हैं: -

- उपकरण और इसकी पैकेजिंग पर
- इमारतों में
- कार्य क्षेत्र में

**1. उपकरण और इसकी पैकेजिंग पर विभिन्न चित्र और उसका अर्थ :-**



महत्वपूर्ण



पानी के प्रति संवेदनशील है और इसे पानी से बचा कर रखना है



पैकेट की सामग्री नाजुक है



पैकेट या बॉक्स को दिए गए एरो के अनुसार ही रखना है (अर्थात बाक्स का सिरा ऊपर की ओर होना चाहिए)



पैकेट की सामग्री को रिसाइकल करने योग्य पदार्थों से बनाया गया है ।



चेतावनी दी गई है कि सामग्री से बिजली के झटके लग सकते हैं ।

## 2. इमारतों में विभिन्न चित्र और उसका अर्थ :-



धूम्रपान निषेध



निकास द्वार



फायर एग्जिट



प्रवेश निषेध

## 3. कार्य क्षेत्र में विभिन्न चित्र और उसका अर्थ :-



### 5. Que.- ऑप्टिकल फाइबर कार्यस्थल पर सुरक्षा नीतियाँ एवं दिशा निर्देश से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - काम पर कर्मचारियों और अन्य लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए तकनीशियनों को सुरक्षा नीतियाँ और दिशानिर्देश दिए जाते हैं। तकनीशियन को इन दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए। इनमें इलेक्ट्रिकल सेफ्टी, आग से सेफ्टी और मैकेनिकल सेफ्टी के प्रोटोकॉल शामिल हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा को बनाए रखने के लिए एक तकनीशियन को निम्नलिखित सामान्य उपायों का पालन करना चाहिए :-

((कोई 3-3लिखें))

#### 1. दैनिक सुरक्षा निर्देश :-

- दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करें।
- काम करते समय दुर्घटनाओं को रोकें।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज (ESD) में लापरवाही के कारण हानिकारक घटकों से बचें।

#### 2. काम शुरू करने से पहले :-

- योजना और काम की आवश्यकता पर चर्चा करें।
- संभावित खतरों और उससे बचने के उपायों पर विचार करें।
- विद्युत उपकरण या सर्किट को अलग करें।
- "डेंजर, नॉट ऑपरेट" टैग / साइन लगाएं।
- आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षा बैरियर डालें।
- सही अर्थिग उपकरण का उपयोग करें।
- आस-पास के खुले हुए उपकरण को इंसुलेट करें।

#### 3. जब काम कर रहे हों :-

- आवश्यकता होने पर सुरक्षा पर्यवेक्षकों का उपयोग करें।
- हमेशा पीपीई पहनें।
- कभी भी मेमोरी पर भरोसा न करें बल्कि चेकलिस्ट का उपयोग करें।
- कार्य में शामिल सभी कर्मियों को सूचित करें कि उपकरण खतरनाक हो सकते हैं।
- कार्य क्षेत्र के पास कोई भी विद्युत चालक ना हो इसकी जाँच करें।
- नियमित रूप से उपयोग किए जाने वाले औजारों की जांच और सफाई करें।
- गैर-संवाहक टेप का उपयोग करें।

#### 4. कार्य का समापन :-

- काम के पूरा होने के बाद सभी उपकरण की जाँच करें।
- चेतावनी के संकेत और बोर्ड रखें।
- वर्क परमिट हाथ में रखें (यदि प्रासंगिक हो)।
- "DANGER, DO NOT OPERATE" टैग / संकेत निकालें।
- सभी मशीनरी Switch ON करें।
- पीपीई निकालें और सभी को ठीक से स्टोर करें।

### 6. Que. - ऑप्टिकल फाइबर कार्यक्षेत्र में भारी और खतरनाक सामग्री को कैसे संभालना चाहिए ?

उत्तर - ऑप्टिकल केबल के स्पूल, ट्रेयिंग उपकरण को संभालना भारी होता है, इसलिए तकनीशियन को ऐसे उपकरण और सामग्री को संभालते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा, ऑप्टिकल फाइबर, और सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायनों से सतर्क रहें क्योंकि ये सीधे संपर्क में आने से खतरनाक हो सकते हैं। तकनीशियन को ऐसी गतिविधियों में शामिल जोखिम को कम करने के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए। जो निम्न है :

- खतरे को पहचानें।
- जोखिम का आंकलन करें।
- जोखिम को नियंत्रित करने या कम करने के लिए उचित उपायों का चयन करें।

#### प्रश्न :- खली स्थान :-

1. PPE का पूरा नाम \_\_\_\_\_ है | (Personal Protective Equipment)
2. ESD का पूरा नाम \_\_\_\_\_ है | (Electrostatic Discharge)
3. CPR का पूरा नाम \_\_\_\_\_ है | Cardio Pulmonary Resuscitation

### 7. Que - ऑप्टिकल फाइबर के मैनुअल हैंडलिंग में कौन कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए?

#### उत्तर

-यदि तकनीशियन कार्य स्थल पर उचित कार्य विधियों का पालन नहीं करता है, तो इससे चोटें या दुर्घटनाएं हो सकती हैं। जो शरीर में दर्द, मोच, बीमारी, संक्रमण आदि के रूप में हो सकती हैं।

निम्नलिखित तरीके से मैनुअल हैंडलिंग में सावधानियां रखी जा सकती है :-

- उचित लैगिंग ऐड का उपयोग करें।
- उपयुक्त पीपीई का उपयोग करें, जैसे कि सुरक्षा जूते, दस्ताने, हेलमेट, काले चश्मे।
- अगर भारी वस्तु के साथ काम करें हैं तो समूह में कार्य करें एवं भारी वस्तु को अकेले संभालने की कोशिश ना करें।

### 8. Que. - व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) क्या है ? एवं इसका उपयोग क्यों किया जाता है ? विभिन्न घटकों की सूची बनाइये ?

उत्तर - किसी भी कार्यक्षेत्र में आने वाले विभिन्न खतरों से शारीरिक सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) का उपयोग किया जाता है, जैसे बिजली का खतरा, अत्यधिक ताप का खतरा या शारीरिक रूप से चोट लगने के खतरे से बचने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) आवश्यक है।

PPE होने से किसी खतरे को समाप्त नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह अत्यधिक क्षति होने से बचाता है।

पीपीई को विशेष रूप से श्रमिकों को निम्नलिखित खतरों से बचाने के लिए बनाया गया है:

1. भारी मशीनों व सामग्रियों से बचाव के लिए |
2. विद्युतीय खतरे से बचाव के लिए |
3. ऊष्मा और रसायन से बचाव के लिए |
4. अन्य व्यावसायिक खतरे से बचाव के लिए |



व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के विभिन्न घटकों की सूची निम्नलिखित है :-

- रबड़ के दस्ताने :- हाथों को खतरनाक और रासायनिक पदार्थों से बचाने के लिए |
- आग प्रतिरोधी एप्रन :- शरीर को जलने से सुरक्षित रखने के लिए |
- हेलमेट :- सिर को चोट से बचाने के लिए |
- इयर प्लग :- अत्यधिक शोर से कानों की सुरक्षा के लिए |
- सेफ्टी शूज :- पैरों की सुरक्षा के लिए |
- घुटनों के लिए पैड :- घुटनों को चोट लगने से बचाने के लिए |
- पार्टिकल मास्क :- साँस लेने के दौरान नुकसानदायक कण अन्दर ना जाये इसलिए |
- सुरक्षा चश्मे :- बाहरी कणों, धूल, और ताप से आँखों की सुरक्षा के लिए |

1. त्वचा की सुरक्षा = कार्य करते समय त्वचा की क्षति हो सकती है, इसका अर्थ है गंभीर रूप से कट जाना, त्वचा पर जलन होना, घर्षण के कारण त्वचा का छिल जाना या अत्यधिक तापमान के कारण त्वचा का जल जाना। त्वचा की सुरक्षा के लिए दस्ताने एक आवश्यक पीपीई हैं; उदाहरण के लिए, ताप प्रतिरोधी दस्ताने, कटने से बचने के लिए दस्ताने और विद्युत् प्रतिरोधी दस्ताने।
2. नेत्र सुरक्षा = धुँएँ में छोटे और बड़े कण, जैसे कि टूटे हुए कांच के कण आँख में चोट का कारण बनते हैं, नेत्र सुरक्षा के लिए सुरक्षा चश्मे बेहतर सुरक्षा प्रदान करते हैं और धूल के कणों, रासायनिक छींटों और वेल्डिंग के कारण होने वाली आँखों की चोट को रोकने में सहायता करते हैं।
3. कानों की सुरक्षा = औद्योगिक शोर से हमारे कानों को बहुत नुकसान होता है इसकी वजह से सुनने की क्षमता कम हो सकती है यह एक ऐसा खतरा है जो आँख से दिखाई नहीं देता है। श्रवण सुरक्षा के लिए पीपीई में इयरप्लग का उपयोग किया जाता है।
4. पैरों की सुरक्षा = भारी वस्तुएँ जैसे बैरल या उपकरण जो पैरों पर गिर सकते हैं, नुकीली वस्तुएँ जैसे नाखून या स्पाइक जो कि साधारण जूतों से घुस सकती हैं, और हमारे पैरों को चोटिल कर सकती है। इससे बचने के लिए सेफ्टी शूज का उपयोग किया जाता है सेफ्टी शूज में पैर की उंगलियाँ इन्फेक्ट-प्रतिरोधी और ऊष्मा-रोधी तलवे होते हैं। यह विद्युतीय खतरों से सुरक्षा के लिए, विस्फोटक वातावरण में उपयोग के लिए, विद्युत् प्रवाहकीय या गैर-संवाहक भी हो सकते हैं।

### 11. Que. - ऑप्टिकल फाइबर की स्थापना करते समय कारिगरी सुरक्षा सावधानियां कौन-कौन सी हैं ) ?imp

उत्तर - कारिगरी सुरक्षा सावधानियां निम्नलिखित हैं:-

1. **केबल Bending** : किसी भी केबल को उसकी Bending त्रिज्या से ज्यादा नहीं मोड़ना चाहिए क्योंकि bending त्रिज्या से अधिक मोड़ने पर वह टूट सकता है। किसी भी केबल की bending त्रिज्या 20D से अधिक होती है।
2. **केबल को खींचना** : किसी भी केबल को उसके अधिकतम तनाव क्षमता से अधिक नहीं खींचना चाहिए।
3. **मैनहोल से सम्बंधित सुरक्षा** : सबसे पहले मैनहोल के वातावरण की जाँच करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि वहाँ कोई ज्वलनशील गैस उपस्थित तो नहीं है। ऐसे उपकरण को मैनहोल के अन्दर नहीं ले जाना चाहिए जिनसे आग लगने का खतरा हो।
4. **डक्ट स्थापना के दौरान सुरक्षा** : डक्ट स्थापना के दौरान सुरक्षा बैरियर एवं चेतावनी बोर्ड लगा कर रखना चाहिए।

### 12. Que. - ऑप्टिकल फाइबर कार्यक्षेत्र से सम्बंधित सामान्य सुरक्षा सावधानियां कौन-कौन सी हैं?

उत्तर - सामान्य सुरक्षा सावधानियां इस प्रकार हैं:-

- एक काले पैड पर काम करें या कांच के स्लिवर को आसानी से देखने के लिए एक काले रंग का एप्रन पहनें।
- स्थापना क्षेत्र के पास न खाएं और न पिएं।
- हमेशा अच्छी तरह से हवादार क्षेत्रों में काम करें।
- जितना संभव हो उतना सामग्री को त्वचा के संपर्क से दूर रखें।
- उन रसायनों के उपयोग से बचें जो एलर्जी का कारण बनते हैं।
- आइसोप्रोपिल अल्कोहल को सावधानी से संभालें जो एक क्लीनर के रूप में उपयोग किया जाता है, क्योंकि यह **handle** एमेलेबल है।
- कार्य समाप्ति के बाद टूटे हुए सिरों को सावधानी से संभालें क्योंकि वे नुकीले हों और खतरनाक हो सकते हैं।

### 13.Que. - एरिअल ऑप्टिकल फाइबर सेटअप स्थापित करते समय कौन-कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए हैं?

उत्तर - एरिअल ऑप्टिकल फाइबर सेटअप स्थापित करते समय निम्नलिखित सावधानियां रखनी चाहिए :-

- चढ़ने से पहले टूट-फूट, पक्षियों के घोंसले, और तेज प्रोजेक्शन की जाँच कर लें।
- जब आप नुकीले व धारदार उपकरण का या फिर विद्युत् तार के साथ कार्य कर रहे हों तो लेदर के दस्ताने पहने।
- स्थापना के दौरान उपयुक्त एवं सही सामान का उपयोग करें।
- कार्यक्षेत्र में केवल उन्हीं व्यक्तियों को आने की अनुमति हो जिनको कार्य के लिए उचित ट्रेनिंग दी गई हो। किसी अन्य व्यक्ति को ऊपर चढ़ने की अनुमति ना दें।
- स्थापना कार्यक्षेत्र में उचित चेतावनी बोर्ड लगायें।
- इलेक्ट्रिक पोल से सभी चालक उपकरणों को दूर रखें। और कार्य के दौरान राहगीरों को इलेक्ट्रिक पोल से दूर रखें।

### 14.Que. - फर्स्ट ऐड टेकनिक की आवश्यकता क्यों होती है ?

उत्तर -

- सभी श्रमिकों के लिए प्राथमिक चिकित्सा सहायता तकनीकों को जानना महत्वपूर्ण है।
- यह आपात स्थिति में या उन स्थितियों में जीवन बचा सकता है, जहां दुर्घटनास्थल पर पहुंचने में मेडिकल टीम को समय लगता है।

### 15.Que. - किसी व्यक्ति को इलेक्ट्रोव्युशन से बचाने के लिए क्या करना चाहिए ?

उत्तर - किसी व्यक्ति को इलेक्ट्रोव्युशन से बचाने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करना चाहिए :-

- मुख्य पॉवर बटन को बंद करें और प्लग को निकाल दें।
- सूखे हुए जगह में खड़े हो कर व जूते पहन कर ही पीड़ित व्यक्ति को सोर्स से अलग करें।
- चेक करें की पीड़ित व्यक्ति की साँस चल रही है या नहीं और व्यक्ति होश में है या नहीं।
- तुरंत मेडिकल टीम को सूचित करें और उचित उपचार कराएँ।

### 17.Que. - किसी व्यक्ति को चोट लगने पर बैंडेजिंग करने के स्टेप्स लिखिए ?

उत्तर - किसी व्यक्ति को चोट लगने पर बैंडेजिंग करने के स्टेप्स निम्नलिखित हैं :-

- चोट को अच्छी तरह से साफ़ पानी, साबुन एवं एंटीसेप्टिक लोशन से साफ़ करना चाहिए।
- कॉटन में एंटीसेप्टिक मरहम लगा कर चोट के ऊपर रखना चाहिए।
- उसके बाद अच्छी तरह से बैंडेज लगाना चाहिए या पट्टी बांध लेनी चाहिए।

### 18.Que. - किसी व्यक्ति को हार्टअटेक होने पर प्राथमिक उपचार के स्टेप्स लिखिए ?

उत्तर - किसी व्यक्ति को इलेक्ट्रिक शॉक के कारण हार्टअटेक हो सकता है, ऐसी स्थिति में व्यक्ति को Cardio Pulmonary Resuscitation (CPR) द्वारा बचाया जा सकता है। CPR में, पीड़ित व्यक्ति के छाती को हाथ से दबाया जाता है जिससे व्यक्ति का हृदय ब्लड पंप करने लगे।

CPR के चरण निम्नलिखित हैं :-

- पीड़ित व्यक्ति की कलाई और गर्दन पर पल्स की जाँच करें कि पीड़ित व्यक्ति की साँस चल रही है या नहीं और व्यक्ति होश में है या नहीं।
- किसी अन्य व्यक्ति को मेडिकल सहायता और एम्बुलेंस लाने के लिए कहें।
- पीड़ित व्यक्ति को सीधे लेटाएँ, यदि व्यक्ति के गर्दन या सिर पर चोट लगी हो तो उसे सहारा दें।
- पीड़ित व्यक्ति के छाती पर दोनों हाथों से दबाव डालें।

### 19.Que. - कार्यक्षेत्र में आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या उपाय करना चाहिए?

उत्तर -

- अग्नि से सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, चाहे एक तकनीशियन ऑनसाइट काम कर रहा हो या ऑफसाइट काम कर रहा हो।
- अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, एक ऑप्टिकल फाइबर स्पलाइसर को अग्नि सुरक्षा विनियमन और आग से निपटने की तकनीक को समझना चाहिए।
- नो स्मोकिंग "साइनबोर्ड" को हमेशा लगाना चाहिए और उसका पालन करना चाहिए।

आग लगने की स्थिति में निम्नलिखित चरणों का पालन करें :-

1. आसपास के क्षेत्र में लोगों को सचेत करने के लिए अलार्म लगायें। आपातकालीन स्थिति में संपर्क नंबर डायल करें और फायर ब्रिगेड को बुलाएँ।
2. साइट पर उपलब्ध अग्निशामक उपकरण का उपयोग करें।
3. धुएँ से बचने की कोशिश करें और धुएँ के बाहर निकलने के लिए वेंटिलेशन बनाएं।
4. बिजली या ईंधन उपकरणों पर पानी का उपयोग न करें।
5. आग से निपटने के लिए सही तरीके से अग्निशामक उपकरण का उपयोग करें।

## 20.Que. - आग के विभिन्न प्रकारों को लिखिए ?

उत्तर -

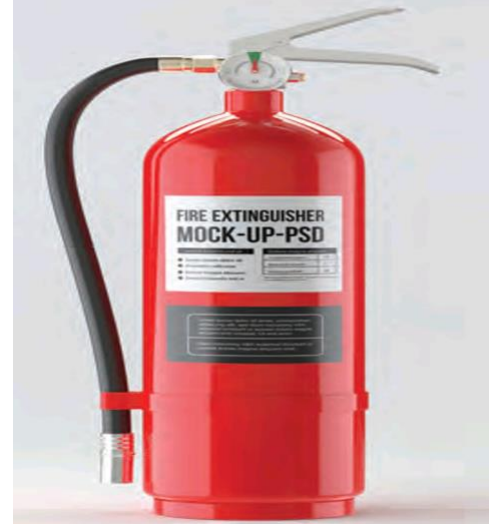
आग के विभिन्न प्रकार निम्नानुसार हैं :-

- वर्ग "A" = आग के इस प्रकार में लकड़ी, कागज, कपड़ा, रबर, प्लास्टिक जैसे दहनशील सामग्री शामिल हैं। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए पानी युक्त अग्निशामक उपकरण का उपयोग किया जाता है।
- वर्ग "B" = आग के इस प्रकार में ज्वलनशील तरल पदार्थ जैसे गैसोलीन, मिट्टी का तेल, पेंट और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए पीड़ित व्यक्ति को कम्बल से लपेट कर आग बुझाई जाती है।
- वर्ग "C" = आग के इस प्रकार में ज्वलनशील गैस जैसे प्राकृतिक गैस आदि को शामिल किया गया है। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए अक्रिय गैस जैसे कार्बन डाइऑक्साइड या सूखी रासायनिक पाउडर युक्त अग्निशामक उपकरण का उपयोग किया जाता है।
- वर्ग "D" = आग के इस प्रकार में दहनशील धातुओं जैसे सोडियम, मैग्नीशियम, जिंक, पोटेशियम आदि को शामिल किया गया है। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड या सूखी रासायनिक पाउडर युक्त अग्निशामक उपकरण का उपयोग किया जाता है।
- वर्ग "E" = आग के इस प्रकार में विद्युत् से या शार्ट सर्किट से लगी आग को शामिल किया गया है। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए पानी का उपयोग कभी नहीं करना चाहिए।
- वर्ग "K" = आग के इस प्रकार में खाना बनाने में उपयोग किये जाने वाले तेल आदि को शामिल किया गया है।

## Q. अग्नि शामक यंत्र क्या है ? आग लगने की स्थिति में अग्निशामक यंत्र के संचालन के सही तरीके के सभी स्टेप्स लिखिए?

Ans:

- अग्निशामक यंत्र एक सुरक्षा उपकरण है, जिसका उपयोग आग बुझाने के लिए किया जाता है। यह बुनियादी उपकरण है, जो छोटे आकर की आग को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाता है, किन्तु यह ऐसी आग के बुझाने या नियंत्रण के लिये प्रयुक्त नहीं होता जो बहुत विकराल रूप ले चुकी हो।
- अग्निशामक एक बेलनाकार प्रेशर स्प्रे जैसा होता है, जिसके अन्दर आग बुझाने हेतु उपयोग किया जाने वाला एक एजेंट होता है, जो आग को बुझाने का कार्य करता है।
- आग के प्रकार के अनुसार अग्निशामक उपकरण में एजेंट भरे जाते हैं, जिन्हें हम कलर कोडिंग के आधार पर पहचान सकते हैं।
- अग्निशामक यंत्र पोर्टेबल होता है तथा इसका आकर व वजन भी कम होता है ताकि एक व्यक्ति द्वारा आसानी से उसे उठाया जा सके।



अग्निशामक यंत्र से आग बुझाने की प्रक्रिया निम्नानुसार है :-

1. आग लगने पर सबसे पहले आग के प्रकार की पहचान करें और उसके अनुसार अग्निशामक उपकरण का चुनाव करें।
2. आग बुझाने की मशीन के सुरक्षा पिन को पहचानें, जो आम तौर पर इसके हैंडल में मौजूद होता है फिर अग्निशामक उपकरण की सील तोड़ें एवं सुरक्षा पिन को खींचें।
3. फिर अग्निशामक यंत्र के लीवर को दबाकर आग बुझायें।
4. आग बुझाने की प्रक्रिया में आग से पर्याप्त दुरी बना कर रखें।

